

13, 6. उत्सं डुकृतः 8, 7, 16. कृतिं पते मन्दिनं डुकृत्युधे 1, 121, 8. ÇAT. Br. 1, 7, 4, 17. 2, 3, 8, 16. VS. 1, 3. TS. 1, 7, 4, 1. — स (गोपः) डुकृद्दशतो वरा-  
म् M. 8, 231. एकदा (मे जननी) निर्गता गेहाडुकृतो निशि गो पाथि Bhaṅ. P. 1, 6, 9. कस्मादधार् गोत्रं धरित्री — यो डुदोक् पृथुः 4, 17, 3, 18, 3. डुदो-  
क् गो (die Erde) स (दिलीपः) यज्ञाय शस्याय मधवा दिवम् Ragh. 1, 26. न  
धर्मफलमाप्नोति यो धर्मं देगधुमिच्छति MBh. 3, 1165. चर्मरत्नं देगधुकामा  
Daçak. in Benf. Chr. 192, 15. ये मे तनूँर्द्वज्वरान्डुकृतीर्मदोया भूतान्यल-  
ब्धशरणानि च भेदबुद्ध्या । इत्यति Bhaṅ. P. 3, 16, 10. डुदोक्थि मतिं तस्य  
(व्यासस्य) पुराणाश्रयो शुभम् Padma-P. in Verz. d. Oxf. H. 12, a, 2. 4te  
Klasse: यो डुदुक्थिद्वयेणा गामिमाम् Bhaṅ. P. 4, 17, 7. ये स्वधर्मान् डुकृ-  
ति धीराः स्वार्थकामहेतवे 3, 32, 5. — 2) Etwas herausmelken, heraus-  
ziehen aus, mit dopp. acc.; med.: शुक्रं पयोः अथ डुकृतं RV. 1, 160, 3.  
अधुनत प्रियं मधु धारां सुतस्य वेधसः 9, 2, 3. दिवः पौषं डुकृते नृचतंसः  
85, 9, 80, 4. या एतदुक्ते मधुदोषमूधः 7, 101, 1. 10, 76, 6. ते दत्तिणां डुकृते  
सप्तमातरम् 107, 4. AV. 9, 4, 21. स डुकृ एवौ तेन (स्तनेन) ÇAT. Br. 13,  
3, 2, 8. डुकृन् उर्ध्वदिशं मधु RV. 9, 107, 5. सोममेनामेकं डुकृते AV. 10,  
10, 32. डुग्धा पयः पक्षपटे मदीयम् Ragh. 2, 65. डुग्धमामोषधीः Bhaṅ. P.  
1, 3, 14. कथं तीरमधुनत 4, 18, 18. यो गोपेडुग्धमडुग्ध गाः Vop. 3, 6.  
act.: गो देगधि पयः P. 1, 4, 51, Sch. मधुदोक् डुकृद्वाष्ट्रं धामरा इव पादप-  
म् । वत्सपेती डुकृच्चैव स्तनान्श न विकृतेयत् MBh. 12, 3305. पयो धोदाघी-  
रपि गा डुकृति Bhaṅ. 12, 73. यः पयो देगधि पाषाणम् 8, 82. वत्सं कृत्वा  
मनुं पाषाणवडुकृतसकलौषधीः Bhaṅ. P. 4, 18, 12. ऋषयो डुडुर्देवीमिन्द्रि-  
येष्वथ सत्तम । वत्सं बहस्पतिं कृत्वा पयप्रकुन्देयमयं शुचि 14. 20 — 22. 24.  
26. अधुनत् 17. 23. भास्वति रत्नानि मेकाषधीश्च पृथुपदोष्टा डुडुर्धुरे-  
त्रीम् Kumāras. 1, 2. यान्धमान् — काममर्थं च धर्माश्च देगधि Bhaṅ. P. 3,  
32, 1. अग्निवायुरविभ्यस्तु त्रयं ब्रह्म सनातनम् । डुदोक् यज्ञसिद्धयर्मयज्ञुः-  
सामलक्षणां ॥ M. 1, 23. प्राणान्डुकृन्निवात्मानम् die Lebensgeister gleich-  
sam aus sich herausmelkend so v. a. seinen Geist beinahe aufgebend  
Bhaṅ. 6, 9. — 3) milchen, Milch geben; ebenso vom Stiere oder Manne  
überh., der den Samen lässt; dann Etwas Erwünschtes spenden überh.;  
med.: धेनुं डुकृ आशेरम् RV. 1, 134, 6. तुभ्यं धेनुर्विष्वा वसून् देहते 4.  
त्रिः सप्त डुडुकृन् आशिरम् 9, 86, 21. इमास्ते पृथ्वी धृतं डुकृते 8, 6, 19.  
नीचीनेमद्या डुकृते 10, 60, 11. या नो देहते त्रिरुक्ते 9, 86, 18. डुकामश्चि-  
भ्यां (P. 7, 1, 41, Sch.) पयो अद्येयम् 1, 164, 27. अस्मभ्यमस्य दत्तिणा डुकृ-  
त 2, 18, 8. डुकृतां धेनुं पिप्युषीम् 32, 3. अमृतं डुकृताः 3, 1, 14. 10, 63,  
6. वृषा शुक्रं डुडुक्ते पृथिव्यः der Stier lässt den Samen, die Kuh das  
Euter strömen 4, 3, 10. 1, 103, 2. 3, 37, 2. 8, 7, 3. 10. 10, 11, 1. वाग्नेव वत्सं  
सुमना डुकृता (न्येतु) ubera praebens 149, 4. — VS. 8, 62. ÇAT. Br. 1, 3,  
2, 20. 6, 4, 15. 3, 2, 2, 14. 4, 2, 4, 21. Kāṇḍ. Up. 1, 3, 7. अडुकृता Kāṇḍ. Ça.  
25, 1, 18. धेनुवो लोकितं डुकृते Kauç. 112. डुग्धे, अडुग्ध, अधुनत, अदो-  
हि गोः स्वयमेव (पयः), das obj. kann nach Vop. bei अधुनत und अदोहि  
nicht dabeistehen) P. 3, 1, 87, Vārt. 4. Schol. zu P. 3, 1, 63. 89. Vop. 24,  
10 — 12. (कामधुधेनुर्वसिष्ठस्य) ग्राम्यारण्याशौषधीश्च डुडुक्ते पय एव च  
MBh. 1, 6658. वत्सं कल्पय मे वीर येनाहं वत्सला तव । धोह्ये तीरमया-  
न्कामान् Bhaṅ. P. 4, 18, 9. यस्य प्रजानो डुडुक्ते धराशिषः 5, 15, 8. मदन्वत्र  
चेयं (चर्मरत्नभस्त्रिका) वणिग्भ्यो डुग्धे Daçak. in Benf. Chr. 199, 14. act.:  
इदं धेनुं डुकृज्जायमाना RV. 10, 61, 19 (vgl. AV. 2, 1, 1). नूनं सा ते प्रति व-  
रं जज्ञिरे डुकृयदिन्द्रं दत्तिणा मधोनी (nach Nir. 1, 7 डुकृयत् = डुग्धा-  
III. Theil.

मः vgl. या देहते प्रति वरं जज्ञिरे 10, 133, 7) 2, 11, 21. सा नो डुकृयय-  
वसेव गवो सहस्रधारा पयसा मकी गोः 4, 41, 5. (धेनुवः) डुकृयन्मित्रधि-  
तये युवाकुं 1, 120, 9. यवसे जगध्यनुदिनं नैव देगधौधसे पयः Bhaṅ. P. 4,  
17, 23. यत्र धर्मडुग्धा भूमिः सर्वकामडुग्धा सती । देगधि स्माभीप्सितानर्था-  
न्यजमानस्य 19, 7. कृन्दास्यकामस्य च यस्य कामान्डुहृङ्कुः 5, 13, 9. डुकृति  
und डुकृते in ders. Bed.: न पिबन्ति स्तनं वत्सा न डुकृति च मातरः 1,  
14, 19. धेनुर्वसिष्ठस्य) उक्ता कामान्प्रयच्छेति सा कामान्डुकृते सदा MBh.  
1, 6657. — अदोहीव (ergoss sich gleichsam) विषादो ऽस्य Bhaṅ. 6, 34  
erklären Einige durch स्वयं तरित इव d. i. legte sich, Andere durch  
पूर्वते (प्रपूर्वते) स्मेव d. i. nahm zu. — 4) pass. gemolken, — herausge-  
molken —, ausgezogen werden: डुकृतं धेनुवः AV. 7, 73, 2. यदापीतासो  
अंशवो गावो न डुह्र उर्धभिः RV. 8, 9, 19. आत्मन्वभौ डुकृते धृतम् 9,  
74, 4. 96, 10. AV. 12, 5, 23. अदोहि गोर्गोपालेन P. 3, 1, 63. Sch. डुकृत  
परवत्सेन MBh. 13, 4587. तेषु तेषु तु पात्रेषु डुकृमाना वसुंधरा Hariv. 81.  
partic. डुग्ध gemolken, herausgemolken, ausgezogen: पयस् RV. 6, 48, 22.  
9, 96, 15. डुग्धदोहा गावः Kāṇḍ. 1, 3. अंशु RV. 3, 36, 6. 5, 36, 1. 7, 98, 1.  
विध्वती डुग्धमृषभस्य रेतः AV. 14, 2, 14. ब्रह्मादिभिः पूर्वमेव डुग्धा चेयं  
वसुंधरा Vāju-P. in Verz. d. Oxf. H. 49, a, 5. तेनैव गोर्मकाराज डुग्धा श-  
स्यानि Hariv. 79. मनीषितं द्यौरपि येन डुग्धा Ragh. 5, 33. ausgezogen,  
ausgebeutet: पूर्वडुग्धं तपणभूतविश्वकं रक्षस्यपस्य Daçak. in Benf.  
Chr. 192, 16. zusammengemolken so v. a. angesammelt. = प्रपूरित Triuk.  
3, 3, 218. Med. dh. S. H. an. 2, 242. पूर्वमुक्त Bhaṅ. P. 5, 14, 12. — n.  
Milch AK. 2, 9, 51. Triuk. H. 404. H. an. Med. वशायाः AV. 10, 10, 30. 31.  
गोः ÇAT. Br. 2, 3, 2, 8. 6, 2, 6. Lāṭj. 10, 16. 11. पृथ्वी डुग्धे प्रैयंगवं चरुं  
निर्वपेत् TS. 2, 2, 21, 4. P. 4, 2, 36. Vārt. 5. Suçr. 1, 70, 6. 2, 187, 2. Bhaṅ. 2,  
15. Pañkāt. 229, 7. Milchsaft von Pflanzen, s. गोस्तडुग्धा, ताम्रडुग्धा.  
— Nom. act. das Melken in डुग्धबन्धक. Vgl. डुध, दोध, wo sich das  
ältere घ erhalten hat; ebenso im partic. डुघान.  
— caus. देहयति 1) melken lassen, act. ÇAT. Br. 1, 7, 4, 18. 3, 4, 4.  
27. Çāṅku. Ça. 2, 8, 3. med. पुरा रात्रेः सायंदोहं देहयेन् Lāṭj. 10, 15.  
7, 16, 10. pass.: अग्निदोहं देह्यमानम् ÇAT. Br. 12, 4, 4, 6. 12. देहति 2, 3.  
— 2) melken, herausmelken, herausziehen: कत्वा वत्सं सुरगणा इन्द्रं सो-  
ममह्रडुकृन् । हिरण्यमेन पात्रेण वीर्यमोजो बलं पयः ॥ Bhaṅ. P. 4, 18, 15.  
दैतेयाः दानवा वत्सं प्रह्लादभसुरर्षभम् । विधायाह्रडुकृन्तीरमयः पात्रे सुरा-  
सत्रम् ॥ 16. In diesen beiden Beispielen wäre die caus. Bed. herausmelken  
lassen ganz an ihrem Platze, aber in ganz ähnlicher Verbindung wird  
unmittelbar vorher und nachher das simpl. gebraucht. त्रिभ्य एव तु  
वेदेभ्यः पादं पादमह्रडुकृत् M. 2, 77.  
— desid. melken wollen: धेनुं न त्वा सुयवसे डुडुन्नप (VS. Prāt. 3,  
54) ब्रह्माणि समृजे वसिष्ठः RV. 7, 18, 4. अदत्तिणामो अद्युता डुडुन्नत् 10,  
61, 10. ये मूक्तो बकृतो डुडुन्नत् 74, 4. डुधुनति यदि तितिधेनुम् Bhaṅ. 2,  
38. — Vgl. डुधुत्.  
— अव med. spenden: भुरह्नाज्ञायाव धुनत हिता RV. 6, 48, 13. — Vgl.  
अवदोह.  
— आ herbeimelken, herausmelken: क्वेरपत्पमा डुह्रे RV. 9, 10, 8.  
इन्द्रस्य सोमं जठरे पदाडुङ्कुः 72, 2.  
— उप s. उपदोह (vgl. u. गोदोहनी).  
— निम् herausmelken, herausziehen; act.: निरस्य रसं डुकृति RV.